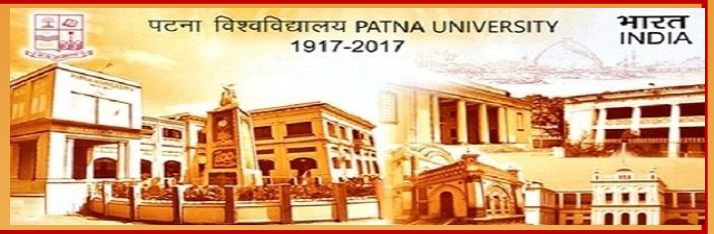

Patna University In News (30.01.2023)

हेरिटेज वॉक में शामिल हुए बीआइए के सदस्य व विशेषज्ञ

पटना. बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (बीआइए) और बिहार विरासत विकास समिति की ओर से रविवार को हेरिटेज वाक का आयोजन पटना विश्वविद्यालय के व्हीलर सीनेट हॉल से किया गया. इस दौरान राजधानी की तीन विरासत-व्हीलर सीनेट हॉल, पटना कॉलेज और दरभंगा हाउस का भ्रमण किया गया. इस दौरान उद्यमियों के साथ शिक्षाविद भी शामिल रहे. विरासत के इतिहास, वस्तुकला व स्थापत्य कला के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी. एनआइटी कॉलेज की शिक्षक डॉ कामिनी सिन्हा ने तीनों भवनों की वास्तुकला की बारीकियों से लोगों को बताया, जबकि इन भवनों के इतिहास से जुड़े विषय पर बिहार विरासत विकास समिति के निदेशक विजय कुमार चौधरी ने जानकारी दी. दरभंगा हाउस, जो एक जमाने में दरभंगा महाराज का निवास स्थान हुआ करता था, के संबंध में भी विस्तृत जानकारी तेजकर झा ने दी. पटना कॉलेज भवन के संबंध में यह बात सामने आयी कि इस भवन का निर्माण डच व्यापारियों ने एक व्यापार केंद्र के रूप में कराया था. आज के विरासत वॉक में पटना विवि के कुलपति, पटना कॉलेज के प्राचार्य, पटना विवि के रजिस्ट्रार के साथ-साथ बिहार विरासत विकास समिति के निदेशक और उनके टीम के सदस्य शामिल थे. वहीं बीआइए की ओर से अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष मनीष कुमार, पूर्व अध्यक्ष केपीएस केसरी, एसोसिएशन की पर्यटन उप समिति के अध्यक्ष सचिन चंद्रा, सुधीर कुमार, अरविंद कुमार, अनिल सिन्हा आदि शामिल हुए.

प्रभात खबर Mon, 30 January 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com

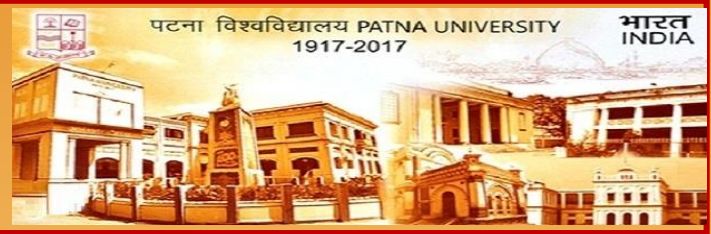

Patna University In News (30.01.2023)

दैनिक भास्कर

बीएन कॉलेज से शुरुआत, प्राचार्य रखेंगे नजर, कितना सिलेबस पूरा हुआ, यह भी अपडेट रहेगा

पटना विश्वविद्यालय : ऑनलाइन होगी हर क्लास की मॉनिटरिंग, समय पर होंगी कक्षाएं

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

पटना विश्वविद्यालय के बीएन कॉलेज में अब समय पर कक्षाएं आयोजित होंगी। इसको लेकर कॉलेज के द्वारा ऑनलाइन क्लास प्रोग्रेस रिपोर्टर सिस्टम को शुरू किया गया है। किस शिक्षक के द्वारा कितने क्लास लिए गए और उसमें कितने छात्रों की भागीदारी रही, यह सब इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन हो जाएगा क्योंकि हर शिक्षक क्लास के बाद लोकेशन के साथ ये सारी जानकारी ऑनलाइन अपडेट करेंगे। इससे कॉलेज के प्राचार्य अपने कक्ष में बैठ कंप्यूटर स्क्रीन पर हर क्लास की मॉनिटरिंग कर सकेंगे कि कौन सी क्लास हुई, कौन सी नहीं।

सॉफ्टवेयर में अपडेट होगा किस शिक्षक ने कितने क्लास लिए

फॉर्म भरने के लिए 75 % अटेंडेंस अनिवार्य है। देखा जाता है कि छात्र-छात्राएं क्लास नहीं करते हैं लेकिन परीक्षा के दौरान वह आरोप लगाते हैं कि क्लास हुआ ही नहीं। इस सॉफ्टवेयर के बाद हर क्लास का टॉपिक के साथ अपडेट रहेगा। इस प्रकार किस शिक्षक ने कितना सिलेबस पूरा किया, यह भी अपडेट रहेगा। इससे शिक्षा की क्वालिटी भी बेहतर होगी। सिलेबस समय पर पूरा करना शिक्षकों की जिम्मेवारी होगी। इससे पारदर्शिता आएगी।

अटेंडेंस बॉयोमेट्रिक होने पर सॉफ्टवेयर से होगा लिंक

जैसा कि राज्य सरकार का निर्देश है कि छात्रों का भी बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस की व्यवस्था होगी। इस सॉफ्टवेयर से बॉयोमेट्रिक अटेंडेंस को लिंक किया जा सकता है। इसके बाद हर छात्र का नाम के साथ उन्होंने कितनी कक्षाएं की हैं, यह भी इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से दर्ज हो जाएगा। सबकुछ ऑनलाइन दर्ज हो जाएगा। इसके बाद अटेंडेंस में छात्र गड़बड़ी नहीं कर सकते हैं। वर्तमान में आठ विषयों का क्लास रूटीन अपलोड कर उसकी हर दिन की मॉनिटरिंग शुरू भी कर दी गयी है।

क्लास प्रोग्रेस सिस्टम सॉफ्टवेयर से शिक्षा की गुणवत्ता पर काफी असर पड़ेगा। कॉलेजों में हर क्लास समय पर और सिलेबस भी समय पर पूरे होंगे। क्योंकि शिक्षकों का फिजिकल प्रेजेंस अनिवार्य हो जाएगा। अब यह राज्य में पहली बार बीएन कॉलेज के द्वारा पद्धति अपनायी जा रही है। **प्रो तज्किरोर प्रसाद**, प्राचार्य, बीएन कॉलेज, पीयू